इकाई-2: पर्यावरण अध्ययन के संदर्भ में हमारा एवं बच्चों का परिवेश

* बच्चों के परिवेश संबंधी अनुभव, शिक्षण के आधार के रूप में

विद्यालय आने से पूर्व बच्चों को परिवेश संबंधी बहुत सारी जानकारियाँ होती हैं। जो वो अपने माता-पिता, परिवार, समाज, दोस्त और अनुभव द्वारा सीखते हैं। बच्चे अपने घर-परिवार, खेल-कूद, खान-पान, सुख-दुःख जैसी सामाजिक क्रियाओं से परिचित होते हैं। प्राकृतिक घटनाएँ जैसे-दिन-रात, धूप, गर्मी, ठंड, बरसात से भी परिचित होते हैं। वो अपने आस-पास जो देखते हैं जैसे- पेड़-पौधा, आकाश, चाँद, तारा इत्यादि का भी नाम जान रहे होते हैं। वो कहानी कविता, लोकगीत इत्यादि का भी उपयोग कर रहे होते हैं। बच्चे अपने परिवेश को जोड़कर ज्ञान का सृजन स्वयं भी करते हैं। जिससे उन्हें सीखने का दिशा मिलता है। अपने परिवेश से उनमें जिज्ञासा भी उत्पन्न होता है। शिक्षकों के लिए बच्चों का यह जानकारी उनके शिक्षण-अधिगम का आधार के रूप में होता है। शिक्षक बच्चों को उनके व्यवहारिक ज्ञान से जोड़ कर ही उन्हें पढ़ाते हैं। शिक्षकों का दायित्व होता है कि वो बच्चों के जिज्ञासा का समाधान करें। बच्चे हमेशा अपने माता-पिता से पूछते हुए पाये गये हैं कि बारिश क्यों

Scanned by CamScanner

Scanned with CamScanner

होता है, रात को सूर्य कहा चला जाता है, भूकंप क्यों आता है इत्यादि। उनके पास इसके बारे में गलत जानकारी भी हो सकती है जैसे कि कुछ बच्चों को उनके परिवार द्वारा बता दिया जाता है कि नाग भगवान धरती के अंदर रहते हैं और जब वो गुस्सा हो जाते हैं तो भूकंप आता है। ऐसे में शिक्षकों को चाहिए कि वो वैज्ञानिक तर्क तरीकों से बच्चों को सच्चाई से अवगत कराएँ। विद्यालय आने से पूर्व बच्चों को मुख्य रूप से निम्नलिखित बातों की जानकारी होता है-

- पेड़-पौधा, फल - फूल का नाम
- पशु - पक्षियों का नाम
- परिवार के सदस्यों का नाम
- रिश्तों से अवगत होते हैं
- पड़ोसियों और दोस्तों से संबंधित जानकारी
- घर में काम आने वाली वस्तुओं का नाम
- खेल - खिलौनों की जानकारी
- रेडियो, टेलीविजन, कम्प्यूटर, मोबाइल आदि उपकरणों की जानकारी
- त्योहारों के से अवगत होते हैं
- यातायात से जुड़ी बातें - बस, बाइक, ट्रेन...

इस तरह हम कह सकते हैं कि बच्चे अपने परिवेश से लगभग हर क्षेत्र की थोड़ी-बहुत जानकारी प्राप्त कर लेते हैं।

Scanned by CamScanner

Scanned with CamScanner

* परिवेश की विविधता की समझ,

हमारे समाज में अनेक प्रकार की विविधतायें मौजूद है। यहां अनेक भाषाओं का प्रयोग किया जाता है। यहां विभिन्न प्रकार के खाना खाते है, त्यौहार मनाते है, धर्म का पालन करते है। बच्चों में भी इन बातों का थोड़ा समझ विकसित हो जाता है। वो अमीर-गरीब में भी अंतर समझने लगते है। इससे उनके मन में कई तरह के सवाल भी उठता है। ऐसा क्यों है, मंदिर और मस्जिद में क्या अंतर है, अलग-अलग त्यौहार क्यों मनाते है इत्यादि।

* अपने परिवेश से अन्य परिवेशों की तुलना

अगर कोई बच्चा हिंदू समाज से होता है तो वो भगवान को मानता है, मंदिर में पूजा करता है। लेकिन जब वो मुस्लिम दोस्त या पड़ोसी को अल्लाह को मानते देखता है और मस्जिद जाते देखता है। तो वो अपने परिवार के सदस्यों से सवाल करता है। ऐसा क्यों है। और जवाब मिलने पर वो दोनों में तुलना करने लगते है। ऐसे में एक अभिभावक और शिक्षक का दायित्व है कि वो उन्हें सकारात्मक रूप से जानकारी दे। उन्हें विविधताओं को सम्मान करना सीखाये। उन्हें इस बात से परिचित कराए कि ये विविधतायें हमारे देश की विशेषतायें है।

Scanned by CamScanner

Scanned with CamScanner